

which have yielded encouraging results.

(b) Not yet, Sir.

(c) Does not arise.

Shrimati Lakshmikanthamma: In view of the acute shortage of metallurgical coal, will this process be speeded up so that we will get results very soon?

Shri M. C. Chagla: We are trying to speed up the process but it will take some time.

बौद्ध सम्मेलन

+

*643. { श्री विद्वनाथ पांडेय :
श्री हेम बरुआ :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नवम्बर 1964 में सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) में विश्व बौद्ध सम्मेलन हुआ था ;

(ख) यदि हां, तो इस में कितने देशों ने भाग लिया था ; और

(ग) उस सम्मेलन के लिये सरकार ने किस प्रकार की सहायता दी थी ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) :

(क) जी, हां 29 नवम्बर से 4 दिसम्बर 1964 तक ।

(ख) 25.

(ग) सरकार ने सम्मेलन के आयोजकों को रेल-रियायत, सम्मेलन के लिए स्थान, सीमा शुल्क व वीसा-सुविधाएं प्राप्त करने में और सम्मेलन के लिए सामान्य प्रबन्ध करने में सहायता दी थी ।

श्री रामसेवक यादव अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या 642 नह गया है ।

अध्यक्ष महोदय : अभी मैं देखता हूं । अगर हो सका, तो बाकी वक्त में उसे ले लिया जायेगा ।

श्री विद्वनाथ पांडेय : मैं यह जानना चाहता हूं कि जो ईसाई सम्मेलन बम्बई में हुआ था, सरकार ने उस को जो सहायता प्रदान की थी, क्या वह सहायता बुद्धिस्ट सम्मेलन को भी दी गई थी ।

Shri M. C. Chagla: As a matter of fact, we gave much more assistance to the Buddhist Conference than we gave to the Eucharistic Congress. Initially the idea was that it would be managed by the Buddhist Society in India; but when we felt that the arrangements were not proper, we came to the rescue of the Conference and sanctioned a sum of Rs. 50,000.

Mr. Speaker: Shri Rameshwar Tantia.

Shri Rameshwar Tantia: Question No. 642.

Mr. Speaker: I rather thought that he was going to ask a supplementary question. Then, next question. Shri Dwivedy.

Shri Surendranath Dwivedy: Question No. 644.

Shri Harish Chandra Mathur: What about Question No. 642?

Shri Hari Vishnu Kamath: Passed over.

Enquiry into allegations against
Orissa Chief Minister

+

*644. { Shri Surendranath Dwivedy :
Shri Jashvant Mehta :
Shri D. C. Sharma :
Shri S. M. Banerjee :

Will the Minister of Home Affairs be pleased to refer to his statement in the House on the 18th November, 1964 to the effect that further action on